विश्व शांति मेला बना जीवन पथ प्रदर्शक

ब्रह्माकुमारी संस्था के 24 घण्टे चलने वाले आध्यात्मिक चैनल 'पीस ऑफ माइण्ड' चैनल को अब आप विडियोकान d2h पर भी देख सकते हैं।

विश्व शांति मेले का उद्घाटन करते हुए पुनासा महंत बाबूगिरी, प्रेमभारती महंत गजीपुरा, लहरभारती बड़गॉव, ब्र.कु.भूपाल, ब्र.कु.जागृति एवं ब्र.कु.गीता ।

भीनमाल। ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा आयोजित विश्व शान्ति मेले के उद्घाटन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिला प्रमुख जसवंत कंवर ने कहा कि विश्व शांति मेला सही मायने में जीवन पथ प्रदर्शक है, इसके माध्यम से हमें स्वयं की व परमात्मा की सत्य पहचान करनी है।

भाजपा जिलाध्यक्ष नारायण सिंह देवल ने कहा कि आज के परिवेश में मनुष्य को अपना जीवन संयमित रूप से जीना व धर्म कर्म करते रहने की जरूरत है। मेले में अतिथियों के रूप में पुनासा महंत बाबूगिरी, प्रेमभारती महंत गजीपुरा, लहरभारती बड़गॉव, भरतमुनि अहमदाबाद, नरेन्द्र पुरी महाराज सुन्धा माता, दरगाराम चौधरी, ब्र.कु. भूपाल आबू रोड़, जागृति बहन, अरूण भाई कौशिक, रमेश अग्रवाल, उपखण्ड अधिकारी गंगापुर सिटी ने मेले में शिरकत की। उद्घाटन समारोह में ब्र.कु. नितिन भाई ने ईश्वर अपने साथ है तो ड़रने की क्या बात है...गीत की प्रस्तुति देकर समारोह का शुभारंभ किया।

वल्लभ विद्यानगर से पधारीं मुख्य वक्ता ब्र.कु.जागृति ने कहा कि भारतीय संस्कृति व सभ्यता विश्व को सुख व शांति का संदेश देती है। हम सभी शांतिदूत बनकर विश्व शांति का संदेश जन-जन को दें।

राजयोग केन्द्र प्रभारी ब्र.कु. गीता ने नगर में पहली बार आयोजित विश्व शांति मेले में आने वाले अतिथियों का आभार व्यक्त किया। प्रेमभारती महंत ने कहा कि मनुष्य को शांति से, मन से प्रभु को सदा याद करते रहना चाहिए। जिससे मन को हमेशा सुख मिलेगा। ऐसे कल्याणकारी मेले का आयोजन करने पर उन्होने ब्रह्माकुमारी संस्था की सराहना की। पुनासा महंत बाबूगिरी ने सनातन धर्म के देवी-देवता धर्म की एकता अखण्डता को बनाये रखने के लिए ऐसे आयोजन पर विशेष जोर दिया। ब्र.कु.अरूण ने ब्रह्माकुमारी संस्था का परिचय देते हुए सभी को विश्व व्यापी आध्यात्मिक सेवाओं से अवगत कराया।

नरेन्द्र पुरी महाराज सुन्धामाता ने कहा कि विश्व शांति मेले द्वारा लोगों में जागृति आयेगी। इस दौरान पूर्व भाजपा नगर अध्यक्ष गुमान सिंह राव, बी.एल. सुथार, प्यारेलाल अग्रवाल, ओमप्रकाश खेतावत, नरेन्द्र आचार्य, एस.पी. मिश्रा, लक्ष्मण भजवाड़, त्रिलोकचन्द सुथार, महेश व्यास, मगन भाई, आबू पर्वत के राम लखन भाई, मुखर्जी भाई, गणेश भाई, रमेश कुमार खत्री, हरका भाई, अर्जुन भाई, दला भाई, सुनिता बहन, सोनू,पवनी सहित बड़ी संख्या में नगरवासी मौजूद थे।

विश्व शांति मेले के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर अतिथिगणों के साथ ब्र.कु.गीता, ब्र.कु.अरूण।

सात दिवसीय विश्व शान्ति मेले में उमड़ा जन सैलाब

व्यापारी सम्मेलन का आयोजन

विश्व शांति मेले के तहत रविवार शाम को व्यापारी सम्मेलन का आयोजन हुआ। मेले के अवलोकन के लिए दिनभर शहरवासी सहित आसपास के गांवों के लोग उमड़ रहे हैं। ब्र.कु.गीता ने कहा कि जीवन में मन को निमंत्रण करना आवश्यक है। अगर मन कहीं भटक जाता है तो शांति, अशांति में बदल जाती है। व्यापारीगण व्यक्ति, मेटेरियल, मशीन व मनी को कंट्रोल करते हैं इसके साथ ही उन्हें मन को भी नियंत्रण में रखना जरूरी है। सद्गुण सबसे बड़ी सम्पत्ति एवं दुर्गुण सबसे बड़ी विपत्ति है। उन्होंने लोगों से जीवन में व्यावहारिकता पर खरे उतरने का आह्वान किया।

ब्र.कु. रतन ने कहा कि वर्तमान समय में भौतिक सुविधाएं बढ़ गई हैं, लेकिन मनुष्य का मन अशांत है। विश्व शांति मेले के माध्यम से लोगों को मानसिक शांति के गुर बताए जा रहे हैं। राणमल शर्मा ने कहा कि मनुष्य को मनुष्यता को समझना चाहिए। डी. आर.सोलंकी ने कहा कि व्यापार में पवित्रता होनी जरूरी है। मन को नियंत्रण में रहकर तनाव मुक्त जीवन जीना चाहिए।

ब्र.कु.मीरा ने कहा कि काम, क्रोध, लोभ, मोह व अहंकार का त्याग करना चाहिए। विश्व शांति मेले के तहत राजयोग प्रवचन माला कार्यक्रम हुआ। इस मौके गिरधर कंवर ने कहा कि मेले के माध्यम से समाज में शांति, आध्यात्मिकता, प्रेम व सद्भावना का संदेश पहुंच रहा है।

युवा सेमिनार का आयोजन

विश्व शांति मेले के तहत युवा सेमिनार, टेलेंट शो, फैन्सी ड्रेस व चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम में खासकर बच्चों व युवाओं ने बैनर पर चित्रकारी उकेरी।

नेत्र चिकित्सा शिविर का उद्घाटन करते हुए मोहन लाल सेठ, मीरा बहन, ब्र.कु.रंजू, नेत्र चिकित्सक डॉ.सीमा लाड़ तथा ब्र.कु.गीता।

युवा सेमिनार को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. गीता ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों में युवाओं की प्रतिभा उभरती है। इससे युवाओं में सकारात्मक चिंतन का विकास होता है एवं मनोबल बढ़ता है। ब्र.कु.रंजू ने कहा कि युवा देश का भावी कर्णधार है। युवाओं पर देश का भविष्य निर्भर है। उन्होंने युवाओं को सकारात्मक सोच के साथ भविष्य निर्माण करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के तहत युवक-युवतियों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किये। देर शाम तक चले कार्यक्रम में कुमारी चंपा ने 'शांति की एक चिड़िया आई' गीत की प्रस्तुति देकर श्रोताओं का मन मोह लिया। वही याशिका दवे ने 'मन एक मंदिर है' गीत की शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन मीठालाल जांगिड़ व मनीष कुमार ने किया। इस मौके पर मीरा बहन, सुनीता बहन, उमा बहन, लक्ष्मण भजवाड़, मनोहर सिंह सहित कई लोग मौजूद थे।

नेत्र चिकित्सा शिविर

विश्व शांति मेले के तहत यहां मेला मैदान में रविवार को **ब्रह्माकुमारी संस्थान की ओर से नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर** हुआ। शिविर में आंखों की जांच करवाने के लिए दिन भर लोग उमड़ते रहे। शिविर में मुख्य अतिथि मीरा बहन ने कहा कि नर सेवा नारायण सेवा है। ऐसे शिविर से जरूरत मंदों को राहत मिल रही है। ब्र.कु.रंजू बहन ने कहा कि परोपकार के कार्य से खुशी मिलती है। खुश रहने से जीवन निरोगी बनता है।

नेत्र चिकित्सक डॉ. सीमा लाड़ ने आंखों से सम्बन्धित बीमारियों के बारे में जानकारी दी एवं बचाव के तरीके बताएं। मोहनलाल सेठ ने कहा कि नेत्र दान महादान है। उन्होंने आगन्तुकों व शिविर में सहयोग करने वाले लोगों का आभार ज्ञापित किया। शिविर में 121 मरीजों के आंखों की जांच की गई।

विश्व शांति मेले के अंतर्गत किसान सम्मेलन का आयोजन।

सदस्यता शुल्क

भारत - वार्षिक 170 रुपये
तीन वर्ष 510 रुपये
आजीवन 4000 रुपये
विदेश - 2000 रूपये (वार्षिक)

कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीआर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट माउण्ट आबू) द्वारा भेजें ।

पत्र-व्यवहार

ओम् शान्ति मीडिया
सम्पादक : ब्र.कु.गंगाधर
ब्रह्माकुमाराज्, शांतिवन, तलहटी
पोस्ट बॉक्स नं. - 5, आबू रोड (राज.) 307510
Enquiry For Membership, Mob. No. - 09414006096
(M)- 9414154344, E-mail : mediabkm@gmail.com,
omshantimedia@bkivv.org, webside:www.omshantimedia.info

प्रति

RNI NO RAJHN/2000/721, NEWS PAPER TO POST CONCSSIONAL REGISTRATION NO. RJ/SIROHI/9623/12-14, 12TH TO 14 TH, 22 ND TO 24TH POSTED TO SHANTIVAN POST OFFICE
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, सलाहाकार संपादक: कमल दीक्षित, प्रकाशक: ब्र.कु.करूणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज् मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट साल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।